राज्य वन अनुसन्धान संस्थान जबलपुर एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) इंदौर के मध्य अनुसंधान कार्य में आपसी सहयोग हेतु एम.ओ.यू.

मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर प्रदेश की वानिकी एवं वन्यजीव के ऊपर अनुसंधान कार्य में पिछले कई वर्षो से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा हैं। अनुसंधान में अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर सटीक परिणाम के उद्देश्य से प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानो एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ MoU (Memorandum of Understanding) हस्ताक्षर किया जा रहा हैं। मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम एवं वन्यजीव के रहवास स्थल के आसपास किसी भी प्रकार रैखिक बुनियादी ढांचे आदि कार्य के प्रभाव हेतु मिटिगेशन प्लान तैयार करने के लिए आधुनिक तकनीकी का उपयोग किया जाना चाहिए, जिसके माध्यम से निर्धारित मापदंडो के परिपालन के साथ–साथ प्राकृतिक संतुलन की रक्षा किया जा सके।

वन्यजीव प्रबंधन एवं अनुसन्धान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial intelligence) जैसी उन्नत तकनीकी का उपयोग कर रेलवे लाइन विस्तार कार्य के कारण वन्यप्राणी के साथ होने वाले संघर्ष को रोकने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एस.एफ.आर.आई) जबलपुर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) इंदौर के साथ दिनांक 11/8/2025 में एक MoU हस्ताक्षर किया गया हैं। यह प्रदेश के वानिकी एवं वन्यजीव अनुसन्धान में मील के पत्थर साबित होने वाला हैं। उक्त कार्यक्रम में संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा एवं वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार उपस्थित रहे, जबकि आई.आई.टी. इंदौर के संचालक श्री सुहास एस जोशी, डीन श्री अभिरुप दत्त एवं सह–प्राध्यापक डॉ सौरभ दास उपस्थित रहे थे।

हस्ताक्षर कार्यक्रम के उपरांत संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा एवं डॉ मजूमदार द्वारा वानिकी एवं वन्यप्राणी के अनुसंधान में संस्थान की उपलब्धियों पर प्रस्तुतीकरण दिया। संचालक महोदय द्वारा बताया गया है कि देश के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थानों में से एक आई.आई.टी. इंदौर के साथ मिलकर काम करने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की वानिकी एवं वन्यप्राणियों के ऊपर अनुसंधान कर मध्यप्रदेश वन प्रबंधन को और भी मजबूत बनाना एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग कर विभिन्न समस्याओ का निराकरण करना है।

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY INDORE

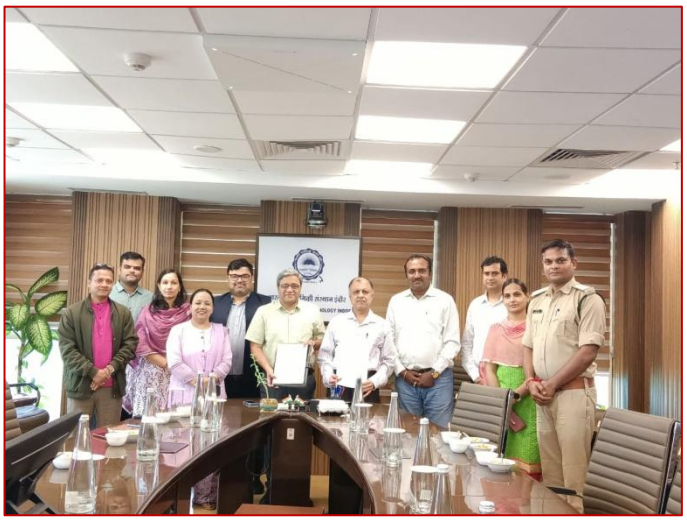

डाई बैंक की चुनौती पार, साल के जंगल में छाई फूलों की बहार

Establishment of Wildlife wing in SFRI
State Forest Research Institute

Google
Google
Google

Peoples Samachar, Jabalpur 12/08/2025

एसएफआरआई और आईआईटी इंदौर के बीच किया गया एमओयू

वन्यजीव संरक्षण में एआई का उपयोग एक नई पहल

एमओयू साइन करने के बाद एक मंच पर दोनों संस्थान के अधिकारी।

पीसं, जबलपुर। राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (एसएफआरआई) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के बीच एमओयू साइन किया गया। राज्य वन अनुसंधान संस्थान एसएफआरआई ने वन्यजीव संरक्षण और वानिकी अनुसंधान को और अधिक सशक्त व आधुनिक बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रेलवे लाइन विस्तार एवं अन्य रैखिक बुनियादी ढांचे के कारण हो रहे मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने हेतु मिटिगेशन प्लान तैयार करना है। इस अवसर पर एसएफआरआई के संचालक प्रदीप वासुदेवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, तथा आईआईटी इंदौर के संचालक सुहास एस. जोशी, डीन अभिरुप दत्त और सह-प्राध्यापक डॉ. सौरभ दास उपस्थित रहे।

The Hitwada, Jabalpur 12/08/2025

SFRI signs MoU with IIT Indore

■ Staff Reporter

THE State Forest Research Institute (SFRI), Jabalpur, which has been playing a vital role in forestry and wildlife research in Madhya Pradesh for several years, has taken a landmark step by signing a Memorandum of Understanding (MoU) with the Indian Institute of Technology (IIT) Indore. The collaboration aims to use advanced technologies, including Artificial Intelligence (AI), to address human-wildlife conflicts and strengthen forest and wildlife management.

SFRI has long been working with renowned scientific and academic institutions at both State and national levels to achieve accurate research outcomes using modern technical tools. The institute emphasizes the need for technological solutions to prepare mitigation plans for infrastructure development near wildlife habitats, ensuring compliance with set environmental standards while protecting the ecological balance.

The newly signed MoU focuses on preventing wildlife conflicts caused by projects such as railway line expansion. By leveraging AI, the initiative will help predict, monitor and mitigate the risks posed to animals and their habitats. The signing ceremony, held on August 11, was attended by SFRI Director Pradeep Vasudeva and Scientist Dr Aniruddha Majumdar, along

Contd on page 2

SFRI signs MoU with IIT Indore

SFRI, Director, Vasudeva and other officials of SFRI and IIT Indore during signing MoU.

Contd from page 1

with IIT Indore Director Prof. Suhas S. Joshi, Dean Prof. Abhirup Dutta and Associate Professor Dr. Saurabh Das.

Following the signing, Director, Vasudeva and Dr. Majumdar presented SFRI's achievements in forestry and wildlife research. Pradeep Vasudeva said that partnering with one of India's premier technology institutes, IIT Indore, will significantly enhance forest and wildlife research in Madhya Pradesh. The goal is to strengthen state forest management, resolve key challenges through modern technology, and implement sustainable solutions for biodiversity conservation.

Dainik Bhaskar, Jabalpur 12/08/2025

वन्यजीव प्रबंधन एवं अनुसंधान के क्षेत्र में होगा एआई का उपयोग

भाससे, जबलपुर। प्रदेश में वानिकी एवं वन्यजीव के ऊपर अनुसंधान का कार्य करने वाली संस्था राज्य वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्र में एआई के उपयोग की योजना बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि वन्यजीव प्रबंधन एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसी

उन्नत तकनीकी का उपयोग कर रेलवे लाइन विस्तार कार्य के कारण वन्यप्राणियों के साथ होने वाले संघर्ष को रोकने की कोशिश की जाएगी। इसके लिए राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एस.एफ.आर.आई.) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) इंदौर के साथ सोमवार को एक विशेष करार किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रदेश के वानिकी एवं वन्यजीव अनुसंधान में मील का पत्थर साबित होने वाला है। योजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम में एवं प्राकृतिक संतुलन की रक्षा करने में यह तकनीकी उपयोगी साबित होगी। कार्यक्रम में संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा एवं वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार एवं आई.आई.टी. इंदौर के संचालक सुहास एस जोशी, डीन अभिरूप दत्त एवं सह-प्राध्यापक डॉ. सौरभ दास उपस्थित रहे। पी-3

दैनिक भास्कर महू भास्कर 12-08-2025

जंगल और जानवरों की सुरक्षा को लेकर आईआईटी इंदौर व एसएफआरआई जबलपुर में एमओयू हुआ

वन्यजीव संरक्षण को लेकर आईआईटी और एसएफआरआई के अधिकारी बैठक में।

महू। राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई) जबलपुर ने वन्यजीव संरक्षण और वानिकी अनुसंधान में तकनीकी सहयोग के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के साथ एक एमओयू किया। यह एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए किया गया है।

अब दोनों संस्थान मिलकर यह जानने की कोशिश करेंगे कि रेल लाइन या सड़क जैसे बड़े कामों से जानवरों और उनके घर यानी जंगल पर क्या असर होता है और इससे कैसे बचा जाए। इसके लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि इंसानों और जानवरों के बीच टकराव न हो। कार्यक्रम में एसएफआरआई के संचालक प्रदीप वासुदेवा, वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार और आईआईटी इंदौर के संचालक सुहास एस जोशी, डीन अभिरुप दत्त और सहप्राध्यापक डॉ. सौरभ दास उपस्थित रहे। समारोह के बाद वासुदेवा और डॉ. मजूमदार ने संस्थान की शोध उपलब्धियों पर प्रस्तुति दी। वासुदेवा ने बताया कि यह साझेदारी प्रदेश में वन्यजीव और वानिकी से जुड़ी समस्याओं को वैज्ञानिक तरीके से सुलझाने में मदद करेगी। साथ ही, आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर वन प्रबंधन को और सशक्त बनाया जाएगा।

Pradesh Today, Jabalpur 12/08/0/2025

सर्तकता के लिए राजवन अनुसधान और आईआईटी इंदौर के बीच एमओयू साइन

रेल पटरी पर जानवरों की सूचना रेलवे पायलट को मिल सकेगी

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर

प्रदेश की रेलवे सीमा में वन्य प्राणियों की मौजूदगी अक्सर उन्हें खतरा में डाल देती है यहां तक कि कई बार हुई घटनाओं में रेलवे दुर्घटनाओं के चलते जानवरों की जान तक जा चुकी है। भविष्य में इस तरह की घटनाओं से निजात दिलाने के लिए मप्र राज्य वन अनुसंधान केन्द्र एसएफआरआई और इंदौर की आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस एआई ने अब मोर्चा संभाल लिया है।

प्रदेश के रेलवे क्षेत्र में वन्य प्राणियों की सूचना टाईगर जैसे जानवरों की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर जबलपुर एक कार्यक्रम में गत दिवस दोनो संस्थानों के बीच एमओयू साइन किया गया है।

ऐसे समन्वय बनाकर करेंगे काम

वन्यजीव प्रबंधन एवं अनुसन्धान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उन्नत तकनीकी का उपयोग कर रेलवे लाइन विस्तार कार्य के कारण वन्यप्राणी के साथ होने वाले संघर्ष को रोकने के उद्देश्य से राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई) जबलपुर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के साथ समन्वय रहेगा। जानकारों का कहना है कि यह प्रदेश के वानिकी एवं वन्यजीव अनुसन्धान में मील के पत्थर साबित होने वाला हैं। उक्त कार्यक्रम में संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा एवं वैज्ञानिक डॉ.अनिरुद्ध मजूमदार उपस्थित रहे। जबकि आईआईटी इंदौर के संचालक सुहास एस जोशी, डीन अभिरुप दत्त एवं सह-प्राध्यापक डॉ सौरभ दास उपस्थित रहे थे।

हस्ताक्षर कार्यक्रम के उपरांत वासुदेवा एवं डॉ मजूमदार द्वारा वानिकी एवं वन्यप्राणी के ऊपर अनुसन्धान में संस्थान की उपलब्धियों के ऊपर प्रस्तुतीकरण दिए थे। श्री वासुदेवा ने कहा कि देश के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थानों में से एक आईआईटी इंदौर के साथ मिलकर काम करने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की वानिकी एवं वन्यप्राणिओ के ऊपर अनुसन्धान कर मध्यप्रदेश वन प्रबंधन को और भी मजबूत बनाना एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग कर विभिन्न समस्याओ का निराकरण करना है।

Patrika, Jabalpur 12/08/2025

एसएफआरआई और प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने मिलकर करेंगे काम

जबलपुर @ पत्रिका. वन्य जीवों और मानव के बीच संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से राज्य वन अनुसंधान संस्थान ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी मध्यप्रदेश के वानिकी और वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र में उन्नत तकनीक के उपयोग के लिए मददगार होगी। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में एसएफआरआई के संचालक प्रदीप वासुदेवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, संचालक सुहास एस जोशी, डीन अभिरूप दत्त और सह-प्राध्यापक डॉ. सौरभ दास शामिल हुए। नई साझेदारी के माध्यम से उन्नत तकनीकों का उपयोग कर वन्यजीवों और मानव के बीच टकराव को कम करने के लिए समाधान विकसित किए जाएंगे।

संचालक वासुदेवा ने बताया कि दोनों संस्थान वन्यजीवों के व्यवहार, आवास के विश्लेषण के लिए डाटा जुटाने, मॉनिटरिंग और एआई आधारित मॉडल तैयार करेंगे। डॉ.मजूमदार ने कहा कि यह पहल प्रदेश की जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।